मिशन CTET / STET 2023

HINDI

परिचय
(INTRODUCTION)

CTET / STET की परीक्षाओं हेतु उपयोगी

BY HINDI GURU

LIVE | 05:00 PM

मिशन CTET / STET 2023

गद्यांश

10

4/5

व्याकरण

पद्यांश

4/5

3/4 — 2 व्याकरण

0:20

भाषा अर्जन एंव अधिगम

भाषा के विविध रूप

भाषा सीखने के चरण

भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ

भाषा कौशल और विचार

त्रिभाषा सूत्र

0:20

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गद्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(CTET-2020)

यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा जो व्यवहार होता है, उसी के अनुसार फल भी मिलता है। जो समाज और संवेदना की नीतिमूलक स्थापनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाता है, वही शांति पाने का हकदार होता है। महावीर, बुद्ध, क्राइस्ट, नानक, गाँधी अगर हमारे जीवन पर विराजमान है तो इसमें उनकी सदाशयता, निरहंकार और व्यवहार का योगदान है। वे जिए समस्त प्राणियों, प्रकृति और सृष्टि के लिए। उनके मन में किसी के लिए रत्ती भर भी भेद-भाव नहीं रहा। अहंकार को विवेक से ही हटाया जा सकता है। गाँधीजी ने गुलामी से आजादी, मनुष्यता की सेवा और विवेक से मित्रता को अपना लक्ष्य बनाया। सबके प्रति समान दृष्टि का ही भाव और व्यवहार था कि गाँधी विश्व नेता बने। गीता में कहा गया है कि जो समस्त प्राणियों के हित में सदा संलग्न रहता है, सबका मित्र होता है। महावीर सत्य की साक्षात अनुभूति में मैत्री की अनिवार्यता की घोषणा करते हैं। यह अनुभूत सत्य है कि, जो अपना मित्र होगा, वह हर किसी का मित्र होगा। आप भी इसे आजमा कर देखें। महसूस होने लगेगा कि जिस शांति के लिए भटक रहे हैं, वह कहीं बाहर नहीं आपके अंदर ही है।

यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा जो व्यवहार होता है, उसी के अनुसार फल भी मिलता है। जो समाज और संवेदना की नीतिमूलक स्थापनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाता है, वही शांति पाने का हकदार होता है।

Q1. हमें किसके अनुसार फल मिलता है?

(1) वंश

(2) बुद्धि

(3) समाज

(4) व्यवहार

जो समाज और संवेदना की नीतिमूलक स्थापनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाता है, वही शांति पाने का हकदार होता है।

Q2. शांति को कहाँ पाया जा सकता है?

(1) स्वयं में
(2) समाज में
(3) धर्म में
(4) परिवार में

सबके प्रति समान दृष्टि का ही भाव और व्यवहार था कि गाँधी विश्व नेता बने। गीता में कहा गया है कि जो समस्त प्राणियों के हित में सदा संलग्न रहता है, सबका मित्र होता है।

Q3. सबके प्रति.............दृष्टि का भाव और व्यवहार होना चाहिए।

समान

(1) अलौकिक

(2) सामान्य

(3) समान

(4) भिन्न

गाँधीजी ने गुलामी से आजादी, मनुष्यता की सेवा और विवेक से मित्रता को अपना लक्ष्य बनाया।

Q4. इनमें से किसे गाँधीजी ने अपना लक्ष्य नहीं बनाया?

(1) मनुष्यता की सेवा
(2) गुलामी से आजादी
(3) गुलामों से आजादी
(4) विवेक से मित्रता

यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा जो व्यवहार होता है, उसी के अनुसार फल भी मिलता है। जो समाज और संवेदना की नीतिमूलक स्थापनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाता है

Q5. गद्यांश के अनुसार किसे अपने व्यवहार का हिस्सा बनाना चाहिए?

(1) गुरु नानक देव की शिक्षाएँ
(2) समाज और संवेदनाओं के नैतिक मूल्य
(3) अहंकार और विवेक की परिभाषा
(4) सत्य और असत्य की परिभाषा

सबके प्रति समान दृष्टि का ही भाव और व्यवहार था कि गाँधी विश्व नेता बने।

Q6. गाँधीजी विश्व-नेता बने, क्योंकि--

(1) उन्होंने सत्याग्रह किया

(2) वे अनुशासन प्रिय थे

(3) सभी के प्रति उनकी समान दृष्टि व व्यवहार था

(4) वे स्वतंत्रता आंदोलन के नेता थे

इसमें उनकी सदाशयता, निरहंकार और व्यवहार का योगदान है। वे जिए समस्त प्राणियों, प्रकृति और सृष्टि के लिए। उनके मन में किसी के लिए रत्ती भर भी भेद-भाव नहीं रहा।

Q7. महावीर, बुद्ध, क्राइस्ट, नानक व गाँधीजी में क्या समानता है?

(1) सभी संन्यासी है

(2) सभी धर्मगुरु है

(3) सभी ने मानव-कल्याण किया

(4) सभी भारत में जन्मे है

Q8. 'अपना-पराया' में समास बताइए

(1) अव्ययीभाव समास

(2) कर्मधारय समास

(3) तत्पुरुष समास

(4) द्वन्द समास

Q9. निम्न में से कौन-सा शब्द भिन्न है?

संज्ञा

5

3 — व्युत्पत्ति

रूढ़

यौगिक

योगरूढ़

भाववाचक संज्ञा

(1) वीरता

(2) मनुष्यता

(3) मित्रता

(4) मित्र

जातिवाचक संज्ञा

निर्देश(10-15): नीचे दिए गए कव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कव्यांश के अनुसार, दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए?(C-TET 2019)

विविध प्रान्त है अपनी-अपनी भाषा के अभिमानी हम,
पर इन सबसे पहले दुनियावालों हिन्दुस्तानी हम।
रहन-सहन में, खान-पान में,
भिन्न भले ही हों कितने,
इस मिट्टी को देते आए,
मिल-जुलकर कुर्बानी हम।
सदियों से कुचले लाखों तूफान हमने पद तल से,
आज झुके कुछ टकराकर तो कल लगते फिर जागे से।
अण्डमान से कश्मीर भले ही दूर दिखाई दे कितना,
पर हर प्रान्त जुड़ा है अपना अगणित कोमल धागों से।
जिस ओर बढ़ाए पग हमने,
हो गई उधर भू नव मंगल।
आजाद वतन के बाशिंदे, हर चरण हमारा है बादल।।

विविध प्रान्त है अपनी-अपनी भाषा के अभिमानी हम,
पर इन सबसे पहले दुनियावालों हिन्दुस्तानी हम।

Q10. कविता के अनुसार विविधताओं के बीच भी हम एक है, क्योंकि सबसे पहले हम---

(1) स्वाभिमानी है

(2) स्वतन्त्र है

(3) भारतीय है

(4) वीर-बहादुर है

अण्डमान से कश्मीर भले ही दूर दिखाई दे
कितना,
पर हर प्रान्त जुड़ा है अपना अगणित कोमल
धागों से।

Q11. 'अण्डमान से कश्मीर' भारत में है---

(1) बलिदानी राज्य
(2) निकटस्थ राज्य
(3) दूरस्थ राज्य
(4) क्रान्तिकारी राज्य

सदियों से कुचले लाखों तूफान हमने पद तल
से, आज झुके कुछ टकराकर तो कल लगते
फिर जागे से।

Q12. 'सदियों से कुचले लाखों तूफान हमने पद तल से' पंक्ति में तूफान का भाव है---

(1) आक्रमण
(2) आँधियाँ
(3) लड़ाइयाँ
(4) कठिनाइयाँ

जिस ओर बढ़ाए पग हमने,
हो गई उधर भू नव मंगल।

Q13. हम भारतीय जिधर भी अपने अपने कदम बढ़ाते है, वहाँ--

(1) शुभ कार्य होते है
(2) क्रान्ति हो जाती है
(3) शान्ति हो जाती है
(4) देश स्वतन्त्र हो जाते है

Q14. समास की दृष्टि से शेष से भिन्न पद है---

(1) मिलना-जुलना

(2) अपनी-अपनी

(3) रहन-सहन

(4) खान-पान

Q15. 'पैर' शब्द का समानार्थी नहीं है?

(1) चरण

(2) पग

(3) नव

(4) पद

Q16. 'अत्यंत' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है?(U.P TET 2022)

अति + अंत

उपसर्ग   मूल शब्द

(1) अ

(2) अति

(3) अत्

(4) अ

Q17. निम्न शब्दों में से कौन-सा शब्द 'रूढ़' है?(HTET-2016)

(1) अनुराग

(2) गाय

(3) लम्बोदर

(4) सामाजिक

Q18. 'मुझसे उठा नही गया' वाक्य में वाच्य है?(UP TET 2022)

(1) कर्तृवाच्य

(2) कर्मवाच्य

(3) भाववाच्य

(4) इनमें से कोई नहीं

Q19. 'कनुप्रिया के रचनाकार कौन है?'(UP TET 2020)

(1) रामधारी सिंह दिनकर

(2) हरिवंश राय बच्चन

(3) धर्मवीर भारती

(4) नागार्जुन

Q20. 'बहिष्कार' का सन्धि-विच्छेद क्या है?

3 — स्वर सन्धि — 5

व्यंजन सन्धि

विसर्ग सन्धि

विसर्ग संधि

(1) बहि: + कार

(2) बहिष् + अकार

(3) वहि: + ष्कार

(4) बहिर् + कार